सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 125 | जौनपुर, मंगलवार, 24 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

पांच जनवरी तक आवंटित हो जाएगी सभी संस्थाओं को भूमि युद्ध स्तर पर चल रहे सभी कार्य : सीएम योगी

प्रयागराज,(संवाददाता)। महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेले के कार्यों पर संतोष जाहिर किया। कहा कि 20 हजार से अधिक संतों और संगठनों सहित अन्य संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया है। सभी 13 अखाड़ों के साथ दंडीवाडा और आचार्यवाड़ा को भूमि आवंटित की जा चुकी है। प्रयागवाल को भूमि आवंटित करने की कार्रवाई चल रही है। नई संस्थाओं को पांच जनवरी तक हर हाल में जमीन आवंटित कर दी जाएगी। सीएम ने कहा कि इस बार एसडीआरएफ और एनडीआरफ के साथ आपदा मित्र की भी घाटों पर तैनाती की जाएगी। महाकुंभ से जुड़े कार्यों का निरीक्षण करने के बाद सीएम योगी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि इस बार महाकुंभ में श्रद्धालुओं को श्री बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर, अक्षयवट, पातालपुरी, भरद्वाज आश्रम, सरस्वती कूप कॉरिडोर देखने का अवसर मिलेगा। साथ ही भगवान राम और निषादराज की मिलन स्थली श्रृंगवेरपुरधाम कॉरिडोर भी लोगों को आकर्षित करेगी। द्वादश ज्योतिर्लिंग के साथ, वासुकिनाथ और महत्वपूर्ण दर्शनीय तीर्थस्थलों पर फसाड लाइटिंग और सुंदरीकरण कार्य लगभग पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार संगम आने वाले श्रद्धालुओं को मां गंगा का रिवर फ्रंट देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां गंगा और यमुना का जल अब स्नान करने और आचमन करने लायक भी है। श्रद्धालुओं को यहां अविरल और निर्मल गंगा जल उपलब्ध होता रहेगा। गंगा जल शुद्ध रहे इसके लिए दूषित नाल के पानी को शुद्ध करके छोड़ा जा रहा है। मां गंगा और यमुना की कृपा से इस बार संगम में स्नान के लिए पर्याप्त जलराशि मौजूद है। ड्रेनेज और इंडस्ट्रीज के पानी को बायोरेमिडेशन और जियो टैग के माध्यम से शुद्ध किया जा रहा है। मेले में 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए उपकेंद्रों का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। 48 हजार एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी है। कहा कि डबल इंजन की सरकार में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। सीएम ने कहा कि महाकुंभ में 30 में से 20 पांटून ब्रिज बनकर तैयार हो गए हैं। शेष सभी ब्रिज 30 दिसंबर तक तैयार हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोजगार मेले में 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से भर्ती अभियान 'रोजगार मेला के तहत करीब 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं के सामर्थ्य और प्रतिभा का भरपूर उपयोग उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, रोजगार मेलों के जरिए हम लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों से सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में सरकारी नौकरी देने का अभियान चल रहा है। आज भी 71,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बीते एक, डेढ़ साल में करीब 10 लाख युवाओं को सरकार ने पक्की

सरकारी नौकरी दी है। उन्होंने कहा, आज भारत का युवा, नए आत्मविश्वास से भरा हुआ है। वह हर सेक्टर में अपना परचम लहरा रहा है। यह रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्त किया जाएगा। इनमें गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा शामिल हैं। रोजगार मेले की शुरुआत 22 अक्टूबर 2022 को हुई थी। हाल ही में संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने बताया था कि रोजगार मेले के जरिए अब तक कई लाख युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

आशा है कि किसानों से किए वादों को पूरा करेगी सरकार : खरगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को किसानों के साथ अब और ''अन्याय'' नहीं करना चाहिए और उनसे किए वादे को पूरा करना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''किसान ही हिन्दुस्तान है, देश का अभिमान है। सभी किसान बहन–भाइयों को, खेत–मजदूरों को किसान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। देश के किसानों के लिए संघर्षरत रहे, भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।'' उन्होंने कहा, ''आशा है कि मोदी सरकार अपनी जिद और किसान–विरोधी नीतियों से हमारे अन्नदाता किसानों के प्रति और अन्याय न करें और अपने पुराने वादों पर अमल करें।

गाजा में इजराइली हमलों में 22 लोगों की मौत

गाजा (एजेंसी)। पट्टी में रविवार को इजराइली हमलों में पांच बच्चों समेत कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, इजराइली अधिकारियों ने कैथोलिक चर्च के पादरी कार्डिनल पियरबटिस्टा पिज्जाबल्ला को गाजा में प्रवेश करने और क्षेत्र के ईसाई समुदाय के सदस्यों के साथ क्रिसमस पूर्व प्रार्थना सभा आयोजित करने की अनुमति दे दी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा शहर में विस्थापितों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर हुए हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसने वहां शरण लिए हमास आतंकवादियों को निशाना बनाया। 'अल–अक्सा शहीद' अस्पताल के अनुसार, शनिवार देर रात दीर अल–बला में एक घर पर हुए हमले में तीन महिलाओं और दो बच्चों समेत आठ लोग मारे गए। अलग–अलग हमलों में छह और लोगों की मौत हो गई। हमास के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल गाजा में रोजाना हमले कर रहा है। इजराइल का कहना है कि वह सिर्फ आतंकियों को निशाना बनाता है ।

चुनाव नियम में बदलाव को लेकर स्टालिन ने की बीजेपी की आलोचना

नई दिल्ली,(एजेंस तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ कड़ी आलोचना की और उस पर चुनाव संचालन नियमों की धारा 93(2)(ए) में संशोधन के साथ लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में अपनी चिंता व्यक्त की, जिसमें आरोप लगाया गया कि संशोधन का उद्देश्य मतदान केंद्रों से सीसीटीवी फुटेज सहित चुनाव दस्तावेजों तक सार्वजनिक पहुंच को प्रतिबंधित करके चुनावों में पारदर्शिता को खत्म करना है। स्टालिन ने लिखा चुनाव में पारदर्शिता को खत्म करने के लिए चुनाव संचालन नियमों की धारा 93(2)(ए) के लापरवाह संशोधन से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के तहत लोकतंत्र को सबसे गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है। यह चुनाव आयोग (ईसी) की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93(2)(ए) में संशोधन के बाद आया है। यह परिवर्तन सीसीटीवी कैमरा फुटेज सहित विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक सार्वजनिक पहुंच को प्रतिबंधित करता है। चुनाव के दौरान उम्मीदवारों की वेबकास्टिंग सामग्री और वीडियो रिकॉर्डिंग। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संशोधन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक निर्देश का पालन करता है, जिसने एक मतदान केंद्र की सीसीटीवी फुटेज मांगी थी। उन्होंने केंद्र सरकार पर डर से काम करने का आरोप लगाया, न केवल हरियाणा में बल्कि महाराष्ट्र में भी, जहां हाल के विधानसभा चुनाव विवादों में घिर गए थे। एक चुनाव बूथ के सीसीटीवी फुटेज प्रस्तुत करने के पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देश के परिणामस्वरूप, केंद्र सरकार ने सीसीटीवी फुटेज सहित चुनाव दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए यह संशोधन लाया और इस तरह संविधान की बुनियादी विशेषताओं में से एक को नष्ट कर दिया।

देशवासियों से संसद में ही माफी मांगनी चाहिए : अखिलेश यादव

आगरा,(संवाददाता)। संसद में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा को देश में नफरत फैलाने का जिम्मेदार बताया। कहा कि गृहमंत्री ने बाबा साहब और संविधान का संसद में अपमान किया है। भाजपा को इस अपमान के लिए देशवासियों से संसद में ही माफी मांगनी चाहिए। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को सिरसागंज विधायक सर्वेश यादव के मेला वाला बाग स्थित आवास पर पिता का निधन हो जाने के कारण शोक संवेदना व्यक्त करने आए थे। विधायक सर्वेश यादव को ढांढस बंधाने के साथ ही उनके पिता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले वह मैनपुरी सदर से पूर्व विधायक राज कुमार उर्फ राजू यादव के नौकटा स्थित गांव में पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने संसद में हुए बवाल पर कहा कि भाजपा के सांसद किसी अभिनेता से कम नहीं हैं। उन्होंने फर्रुखाबाद के सांसद पर टिप्पणी करते हुए कहा कि फर्रुखाबाद के सांसद सर्टिफिकेट वाले सांसद हैं, न की जनता के द्वारा चुने गए सांसद। उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमे की निंदा की। अबकी बार संभल

में 46 वर्षों बाद मिले कार्तिकेश्वर मंदिर को भाजपा ने राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। वहां के सांसद पर करोड़ों रुपयों का जुर्माना लगा दिया है। कई लोगों के खिलाफ मुकदमा किया है। यह सभी सरकार को वापस लेने चाहिए। साथ ही मृतक परिवारों को मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने जनता एवं किसानों से एकजुट होकर संघर्ष करने एवं भाजपा सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम सभी लोग बहुत भाग्यशाली हैं, जो हमने महापुरुषों की धरा पर जन्म लिया है।

परभणी पहुंचे राहुल गांधी सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार से की मुलाकात

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार से मुलाकात की, जिनकी इस महीने की शुरुआत में महाराष्ट्र के परभणी शहर में हिंसा के बाद न्यायिक हिरासत में मौत हो गई थी। राहुल ने कहा कि मैं उनके परिवार और उन लोगों से मिला हूं जो मारे गए और पीटे गए। उन्होंने मुझे पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वीडियो, तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने दावा किया कि यह 100 फीसदी हिरासत में मौत है। उनकी हत्या हुई है और मुख्यमंत्री ने पुलिस को संदेश देने के लिए विधानसभा में झूठ बोला। राहुल ने आगे कहा कि उनके जवान को इसलिए मार दिया गया क्योंकि वह दलित था और संविधान की रक्षा कर रहा

था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आरएसएस की विचारधारा संविधान को नष्ट करने की है। हम चाहते हैं कि यह मामला तुरंत सुलझे और जिन लोगों ने ऐसा किया है उन्हें सजा मिले। कोई राजनीति नहीं की जा रही है। राहुल ने आरोप लगाया कि विचारधारा जिम्मेदार है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने यह बयान दिया है इसलिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं, जिन्होंने उन्हें मारा है वे जिम्मेदार हैं और जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। परभणी में 10 दिसंबर की शाम को मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान की कांच से बंद प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद हिंसा देखी गई। परभणी के शंकर नगर निवासी सूर्यवंशी हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए 50 से अधिक लोगों में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, 15 दिसंबर को एक सरकारी अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई, जहां उन्हें सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद ले जाया गया था, जब वह न्यायिक हिरासत में थे और परभणी जिला केंद्रीय जेल में बंद थे। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने परभणी हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।

अरविंद केजरीवाल ने गणतंत्र दिवस की झांकी को शामिल न करने पर केंद्र पर निशाना साधा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अगले साल गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली की झांकी को शामिल न करने के आरोपों पर केंद्र पर निशाना साधा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हर साल गणतंत्र दिवस परेड में झांकी को शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि यह राष्ट्रीय राजधानी का प्रतिनिधित्व करती है। केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सवाल किया, ष्मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इस साल एक बार फिर दिल्ली की झांकी को क्यों शामिल नहीं किया जा रहा है? दिल्ली के लोगों को गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने से क्यों रोका जा रहा है।ष आप के राष्ट्रीय संयोजक ने दावा किया कि पिछले कई सालों से दिल्ली की झांकी को शामिल नहीं किया जा रहा है, ष्यह किस तरह की राजनीति है? दिल्ली और उसके लोगों के प्रति इतनी नफरत क्यों है? अगर इन नेताओं में इतनी दुश्मनी है, तो दिल्ली के लोग उन्हें वोट क्यों दें?ष आप प्रमुख पर पलटवार करते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया कि जब भी कोई राष्ट्रीय त्योहार आता है, केजरीवाल अपना 'असली रंग' दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए झांकी का चयन एक नामित समिति द्वारा किया जाता है, उन्होंने कहा कि केजरीवाल इस तथ्य से अवगत हैं। सचदेवा ने कहा, ''दिल्लीवासी 2014 की घटना को नहीं भूले हैं, जब पूरा शहर गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा था, लेकिन केजरीवाल ने विरोध प्रदर्शन करके इसकी गरिमा को धूमिल किया।'' उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल के आरोप लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से हटाने के लिए बहाने हैं। भाजपा नेता ने कहा, ''हालांकि, चूंकि दिल्ली में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इसलिए केजरीवाल लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से हटाना चाहते हैं।'' संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल ने भाजपा पर भी निशाना साधा और दावा किया कि उसके चुनाव अभियान में ''दिल्ली के लोगों के लिए कोई कथा, दृष्टि या कार्यक्रम'' नहीं था।

हवाई पट्टी की 'रिकार्पेटिंग' एक महीने में नहीं हुई तो अधिकारियों को निलंबित किया जाएगा : गडकरी

नागपुर, एजेसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि यदि नागपुर हवाईअड्डे के रनवे पर 'रिकार्पेटिंग' का काम एक महीने में पूरा नहीं हुआ तो अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाएगा। रनवे पर पिछली बार 'रिकार्पेटिंग' का काम

2013–14 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के माध्यम से किया गया था। गडकरी ने सोमवार सुबह नागपुर हवाईअड्डे पर रनवे का निरीक्षण किया। नागपुर हवाईअड्डे पर मिहान इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), एएआई के साथ मिलकर काम करता है। एमआईएल के अनुसार एएआई ने सूचित किया है कि परियोजना मई 2025 तक पूरी हो सकती है, बशर्ते रनवे रोजाना आठ घंटे के लिए उपलब्ध हो। नागपुर से लोकसभा सदस्य गडकरी ने कहा कि उड़ानों का समय बदलने और हवाई टिकट की कीमत बढ़ने से लोग परेशान होते हैं। गडकरी ने हवाई पट्टी का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि एएआई ने मई 2024 में मैसर्स केजी गुप्ता को 'रिकार्पेटिंग' का काम सौंपा था।

आप जीत गई तब भी अरविंद केजरीवाल नहीं बन सकते सीएम, संदीप दीक्षित ने कर दिया बड़ा दावा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। दीक्षित ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में जेल से रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई जमानत शर्तों का हवाला देते हुए कहा कि केजरीवाल मुख्यमंत्री पद के लिए अयोग्य हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी शीर्ष पद के लिए किसी को भी चेहरा बना सकती है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि जब लोग वोट देने जाएं तो उन्हें पता होना चाहिए कि वे एक विधायक को चुनने जा रहे हैं, न कि भावी दिल्ली के मुख्यमंत्री को, जिसके पास फैसलों को मंजूरी देने की शक्ति होगी। उन्होंने कहा कि मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि जिन शर्तों पर केजरीवाल को जमानत दी गई है, उन्हें देखते हुए वह फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते या कार्यालय नहीं जा सकते। इसलिए, जब वह बाहर आए तो उन्हें किसी को सीएम नियुक्त करना था और इसलिए आतिशी को यह पद दिया गया। अगर केजरीवाल जीतते भी हैं, जो कि होने वाला नहीं है, तो वह केवल विधायक ही रहेंगे। इस साल सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को एक्साइज पॉलिसी मामले में जमानत दे दी थी. शीर्ष अदालत ने उन्हें जमानत देते हुए साफ कर दिया कि वह सीएम कार्यालय और दिल्ली सचिवालय नहीं जायेंगे। शीर्ष अदालत ने उन्हें उपराज्यपाल की मंजूरीध्अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक होने तक फाइलों पर हस्ताक्षर करने से भी रोक दिया। इसके चलते आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। दीक्षित ने कहा कि नई दिल्ली में अपने अभियान में वह सीएम और विधायक के रूप में केजरीवाल के प्रदर्शन पर सवाल उठाएंगे और आरोप लगाएंगे कि केजरीवाल अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे। कांग्रेस ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से केजरीवाल के खिलाफ संदीप दीक्षित को मैदान में उतारा है। यह पूछे जाने पर कि क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी मां की विरासत उनके अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, दीक्षित ने कहा कि उनके काम को निश्चित रूप से उजागर किया जाएगा।

लोगों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारी परियोजनाओं में तेजी लाएं : सुक्खू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अधिकारियों को सोमवार को निर्देश दिया कि वे विकास परियोजनाओं में तेजी लाएं ताकि प्रदेश के लोगों को अधिकतम लाभ पहुंचाया जा सके। सुक्खू ने केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं जनजातीय विकास, महिला कल्याण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और कृषि से संबंधित परियोजनाओं के कार्यान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा की। सुक्खू ने लागत में वृद्धि को रोकने तथा

विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए इन परियोजनाओं को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। एक बयान के अनुसार, उन्होंने नयी परियोजनाओं की संकल्पना और प्राथमिकता तय करने के महत्व पर भी जोर दिया। सुक्खू ने अधिकारियों से लभार्थियों को प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा।

संपादकीय

पारदर्शी हो लोकतंत्र

हाल ही में केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा,वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कतिपय इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार का कहना है कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर यह कदम उठाया गया। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 93 में यह संशोधन किया गया। दलील दी गई कि इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का दुरुपयोग रोकने के लिये यह कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव संबंधी रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने के लिये वकील महमूद प्राचा ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका डाली थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, प्राचा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव संचालन से संबधित वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा फुटेज और फॉर्म 17–सी की प्रतियों की मांग याचिका के जरिये की थी। हालांकि, चुनाव एजेंट की नियुक्ति, नामांकन फार्म, परिणाम व चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है। मगर दूसरी ओर आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते। सरकार के द्वारा हालिया संशोधन इस बात की पुष्टि करता है कि केवल नियमों में उल्लेखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिये उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर पारदर्शिता की अवहेलना का आरोप लगाया है। साथ ही सरकार के फैसले को चुनौती देने की बात कही है। दरअसल, चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि मतदान केंद्रों के अंदर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के दुरुपयोग से मतदान की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। दलील दी गई है कि इस फुटेज का इस्तेमाल एआई का उपयोग करके फर्जी विमर्श गढ़ने के लिये किया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि लोकतांत्रिक शुचिता के लिये पारदर्शिता को क्यों नजरअंदाज किया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीवंतता इसी बात में है कि नागरिकों के सूचना अधिकार का अतिक्रमण किसी भी तरह से न हो सके। निस्संदेह, इस चिंता से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये तथ्यों से खिलवाड़ संभव है। बहुत संभव है अपनी सुविधा के लिये कतिपय राजनीतिक दल नये विमर्श गढ़ सकें। लेकिन इसके बावजूद आम नागरिकों को उस चुनावी प्रक्रिया को जानने का हक है जिसके जरिये सरकार बनती है। निस्संदेह, किसी भी लोकतंत्र की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया पर निर्भर करती है। कतिपय सुरक्षा चिंताओं के नाम पर पारदर्शिता का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर विपक्ष की मांगों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सजग–सतर्क विपक्ष लोकतंत्र की सफलता के लिये अनिवार्य शर्त भी है। ऐसे में एआई के खतरे के नाम पर हर सूचना के अधिकार पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता। वहीं ऐसे निर्णयों में विपक्ष की भागीदारी जरूरी है ताकि सत्तारूढ़ दल पर निरंकुश व्यवहार का आरोप न लग सके।

भूस्खलन के एक वर्ष बाद मिट्टी की सुरक्षा करें

संजय

वर्ष 2024 में भारत भर में कई स्थानों पर भारी भूस्खलन हुआ, जिससे लोगों और जानवरों की मृत्यु, चोट और तबाही हुई। जुलाई शायद इसके लिए सबसे क्रूर महीना रहा। महीने की 16 तारीख को कर्नाटक के शिरूर में भूस्खलन के कारण नौ लोगों की मृत्यु हो गई। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, यह राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य और भारी वर्षा के मिश्रण के कारण हुआ।देश के कुछ अन्य हिस्सों में भी यही कहानी रही। महीने के अंत में केरल के विलंगड में भारी बारिश के कारण नौ भूस्खलन हुए, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मृत्यु हो गई। तेरह घर नष्ट हो गए और कई आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। भूस्खलन भी इस जुलाई के अंत में वायनाड में हुआ। फिर से, भारी बारिश ने पहाड़ियों को ढहा दिया। इससे 254 लोगों की मृत्यु हुई और 397 लोग घायल हुए। केरल के इस क्षेत्र में भारी बारिश आम बात है, लेकिन इस पैमाने पर भूस्खलन की घटनाएं पहले कभी नहीं हुई थीं। वनों की कटाई और अत्यधिक निर्माण इसके मुख्य कारण थे।दिसंबर में, अन्नामलाईयार पहाड़ी की ढलानों पर चट्टानी तिरुवन्नामलाई में भारी बारिश के बाद भूस्खलन हुआ, जो इस क्षेत्र के लिए असामान्य था। घर पर एक चट्टान गिरने से सात लोगों की मौत हो गई। अगले दिन एक और भूस्खलन हुआ। इसका कारण, फिर से, अत्यधिक निर्माण था। संपादकीय इस साल की शुरुआत में, उत्तराखंड में 17 दिनों में लगभग 1,521 भूस्खलन दर्ज किए गए थे। मूसलाधार बारिश के बाद सड़कें और पुल, पुल और पहाड़ियाँ बह गईं। हिमालय में विकास आपदा का नुस्खा है। हम यह भूल गए हैं कि इस क्षेत्र की पहाड़ियाँ, जो धीरे–धीरे ऊँची हो रही हैं, डेक्कन की ठोस चट्टानों के विपरीत, मिट्टी की एक मोटी परत से ढकी हुई हैं।भूमि, मिट्टी या भूमि पंच महाभूत या पाँच पवित्र तत्वों में से एक है। भूमि देवी भूमि का प्रतीक है, जो भगवान विष्णु की पत्नी है जो उनके चरणों में विराजमान है। धरती माता एक आदिम देवी हैं जिनकी भारत के लगभग हर गाँव के मंदिर में विभिन्न रूपों में पूजा की जाती है। फिर भी, हम उसकी उपेक्षा और दुरुपयोग करने से बाज नहीं आए। संपादकीय विश्व मृदा दिवस 5 दिसंबर को आया – जिसका विषय था शमिट्टी की देखभालरू माप, निगरानी, घ्प्रबंधनश – और एक सिसकी के साथ विदा हो गया। प्रधानमंत्री ने एक पारंपरिक संदेश जारी किया, लेकिन जमीन पर ज्यादा कार्रवाई नहीं देखी गई। खाद्य और कृषि संगठन के सुझाव पर, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2013 में यह तिथि निर्धारित की। 2015–24 के दशक को अंतर्राष्ट्रीय मृदा दशक घोषित किया गया। दुर्भाग्य से, पूरा दशक भारत में किसी भी उचित मृदा सुधार उपायों के बिना बीत गया। दुनिया भर में नुकसान के आँकड़े भी अंतहीन हैं। एक सीमित संसाधन जिसे संरक्षित किया जाना चाहिए। कागजों पर, भारत के पास 329 मिलियन हेक्टेयर भूमि क्षेत्र है, जिसमें से 24 मिलियन हेक्टेयर या तो दुर्गम है या विदेशी कब्जे में है, 28 मिलियन हेक्टेयर शहरी या गैर–कृषि उपयोग के अंतर्गत है, 16 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि है और केवल 250 मिलियन हेक्टेयर संभावित उपयोग के लिए उपलब्ध है। 250 मिलियन हेक्टेयर में से 72 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र में है। कृषि के लिए उपलब्ध 175 मिलियन हेक्टेयर में से अधिकांश गंभीर जल और वायु क्षरण से ग्रस्त है या अत्यधिक लवणता, क्षारीयता या जल–जमाव और अन्य हानिकारक कारकों से प्रभावित है। हमें 1.4 बिलियन लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में कृषि योग्य भूमि की आवश्यकता है। फिर भी, जैसा कि इन भूस्खलनों से पता चलता है, वह संसाधन क्षीण हो रहा है। इसके कारणों में अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि, वनों की कटाई, कटाव, औद्योगिक कचरे का डंपिंग, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग, सड़कों और इमारतों का खराब नियोजित निर्माण और खनन शामिल हैं, जो एक बढ़ता हुआ उद्योग है। इस बीच, पशु–आधारित खाद्य उद्योगों द्वारा वन भूमि पर अनियंत्रित चराई भी उन क्षेत्रों में पोषक तत्वों को नष्ट कर रही है।

वैश्विक व्यापार में अपनी जगह तलाशता भारत

सुरेश

भारत अपनी मुद्रा के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले निरंतर गिरावट को लेकर चिंतित है। इस समस्या से निपटने के लिए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रस्तावित किया गया कि तीसरी दुनिया के देशों और रूस के साथ व्यापार अपनी–अपनी मुद्राओं में किया जाए या डॉलर के बजाय एक वैकल्पिक मुद्रा का उपयोग किया जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा की कोशिशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा, जिससे व्यापार प्रभावित हो सकता है। फिलहाल, भारत को अपनी आयात–आधारित अर्थव्यवस्था को बदलकर निर्यात–आधारित अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करने की आवश्यकता है, और निवेश आकर्षित करने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि वैश्विक निवेशक भारत की ओर आकर्षित हो सकें। अमेरिका वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ी हिस्सेदारी रखता है, जबकि भारत की हिस्सेदारी केवल 1 प्रतिशत है। भारत को अधिकांश सामान जैसे कच्चा तेल और फार्मा उद्योग के लिए आवश्यक सामग्री आयात करनी पड़ती है। दरअसल, हम अमेरिका और चीन पर अत्यधिक निर्भर हैं, हालांकि चीन के उत्पादों के निर्यात कम करने की कोशिशों के बावजूद व्यापारिक निर्भरता कम नहीं हुई है। भारत को आत्मनिर्भर बनकर आयात को कम करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में जल्दी कदम उठाने की आवश्यकता है, लेकिन पिछले साल निर्यात वृद्धि बहुत कम रही और आयात की निर्भरता बनी रही। भारत ने आशा व्यक्त की थी कि कोविड महामारी के बाद चीन की कमजोर स्थिति के चलते वह विदेशी निवेश को आकर्षित कर सकेगा। ट्रम्प ने चीन से आयात पर अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने की घोषणा की थी, और कनाडा, मैक्सिको से भी आयात पर शुल्क लगाया गया था, जबकि हाल ही में चेतावनी को छोड़ दें तो भारत के विरुद्ध इतने बड़े स्तर पर ऐसा कदम शायद ही उठाया गया हो। चीन के आर्थिक संकट में निवेशक वहां पैसा लगाने से हतोत्साहित हो रहे हैं, जिससे 'चीन प्लस वन' रणनीति को लागू करने की बात की जाती रही है, ताकि भारत एक आकर्षक निवेश स्थल बने। हालांकि, नीति आयोग का कहना है कि इसमें सीमित सफलता मिली है। इसके मुकाबले, वियतनाम, थाईलैंड, कंबोडिया और मलेशिया को अधिक लाभ हुआ क्योंकि वहां सस्ता श्रम, सरल कर कानून, कम शुल्क और तेज मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत के लिए बेहतर यह हो सकता है कि वह वैश्विक व्यापार में अपने स्थान को मजबूत करे, लेकिन नौकरशाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार इसके मार्ग में रुकावट डाल रहे हैं। अनुसंधान और नवाचार की कमी, साथ ही एफटीए समझौतों में असफलता, भारत को अन्य देशों की तरह सफलता दिलाने में विफल रही। जबकि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर सख्त शुल्क लगा दिए, बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प की तलाश कर में रहीं, लेकिन यह अवसर भारत में नहीं आ सका। इसके परिणामस्वरूप, व्यापार में श्रम सघन क्षेत्रों में भारत की हिस्सेदारी घट गई और कृषि उत्पादों में प्रतिस्पर्धा नहीं बढ़ पाई। बासमती चावल का पेटेंट हमारे पास होने के बावजूद, पाकिस्तान ने उसकी नकल कर ली। किसानों को निर्यात प्रोत्साहन नहीं मिल सका क्योंकि सरकार की अनुदान नीति के कारण अनाज की कीमतें बढ़ने नहीं दी गईं। भारत अपने निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति करने में अग्रणी देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सका। उच्च लागत, गिरते मुद्रा मूल्य और सस्ते निर्यात के कारण उत्पादकों को घाटा हो रहा है, जिससे स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। नीति आयोग ने चीन प्लस वन रणनीति की सीमित सफलता को स्वीकार किया है। हालांकि, पहले चीन में निवेश से बचकर व्यापार विविधता की आवश्यकता उत्पन्न हुई थी, भारत इस अवसर को अभी तक पूरी तरह से भुना नहीं सका। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक ने भी कहा कि ट्रम्प की घोषणाएं भारत के लिए एक बड़ा अवसर हैं। अगर अब भारत खुद को सही तरीके से तैयार करता है, तो यहां एक बड़ा आर्थिक उछाल आ सकता है, क्योंकि भारत का वैश्विक व्यापारिक चेहरा बदलने वाला है। अमेरिका, जो भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, के साथ संबंध मजबूत हो रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी भारत की 'वोकल फॉर लोकल' नीति की सराहना की है और यहां निवेश

बढ़ाने की घोषणा की है। हालांकि, विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कहना है कि सिर्फ निवेश बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, रूस को भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार भी खोलने चाहिए।

यदि निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जाते हैं, तो बदलती स्थिति और भी आकर्षक बन सकती है। पिछली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर में गिरावट आई है, जबकि सरकार का लक्ष्य 2047 तक 7 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना है। इस गिरावट ने भारत सरकार को सतर्क किया है कि वह अपने सार्वजनिक निवेश को घटाने के बजाय स्थिर बनाए रखे, क्योंकि यह पूंजी निर्माण में सहायक है। घरेलू निवेशकों द्वारा कमी को पूरा किया जा सकता है, लेकिन विदेशी निवेशकों का समर्थन आवश्यक है, ताकि भारत चीन की जगह निवेश का आकर्षक स्थल बन सके।

तभी भारत अपनी बेरोजगारी दर को कम कर सकेगा और मंडियों की मांग को पूरा कर सकेगा। इसके लिए यथास्थितिवाद पर्याप्त नहीं होगा, जैसा कि मौद्रिक नीति में रैपो रेट में कोई बदलाव न करने से स्पष्ट है। सरकार को साहसिक निर्णय और सभी क्षेत्रों में समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना चाहिए।

भागवत के बयान से उपजी राहतकारी उम्मीदें

ज्योति

अब जबकि यह साल खत्म होने को है, ऐसा कहना शायद अतिशयोक्ति न होगी कि कई मायनों में 2024 आरएसएस प्रमुख मोहन मधुकर राव भागवत का साल रहा। पुणे में बीते गुरुवार को संघ प्रमुख ने सहजीवन व्याख्यानमाला में 'भारतदृविश्वगुरु' विषय वस्तु पर अपने संबोधन के दौरान जो नवीनतम टिप्पणियां की हैं, वे राहत प्रदान करने की दिशा में काफी चौंकाने वाली लगती हैं। उनका यह कहना कि 'मंदिर–मस्जिद विवाद अस्वीकार्य हैं'और यह भी कि 'राम मंदिर के निर्माण के बाद, यदि कुछ लोग सोचने लगे हैं कि नई–नई जगहों पर वे इस तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं, तो यह कुबूल नहीं है', आगे कहा कि 'कौन अल्पसंख्यक है और कौन बहुसंख्यक"और खुद ही इस सवाल का जवाब दिया:'सभी समान हैं'। कहां तो संविधान द्वारा एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की गारंटी दिए जाने के 75 साल बाद, भागवत की टिप्पणियों को सामान्य माना जाना चाहिए था। लेकिन इसकी बजाय, इन्हें राहत की बात माना जा रहा है दृ और सुर्खियों की भी। आरएसएस प्रमुख को अपनी ही सरकार को यह याद दिलाने में समय लग गया कि देश ऐसे लोगों से बना है जिनके विचार, परंपराएं, रीति–रिवाज, धर्म और भाषाएं एकदम अलहदा हैं। और अगर इस 'खिचड़ी' को अपना विशिष्ट स्वाद बनाए रखना है, तो शायद इसे 'एक राष्ट्र–एक लोग' के शिंकजे में जकड़ने के कोई मायने नहीं हैं। अनुमान के मुताबिक , राजनीतिक रूप से वामपंथी सोच वाले उनके पुणे भाषण में कोई न कोई कमी ढूंढ़ने में लग गए दृकहीं अनुवाद में कुछ गड़बड़ तो नहीं, क्योंकि भागवत ने अपना संबोधन मराठी में दिया था। वहीं कयास से उलट, राजनीतिक रूप से दक्षिणपंथी भी शायद यह सोच रहे होंगे कि भागवत ऐसे वक्त पर स्तंभ पर बंधे भगवा ध्वज की डोर खींचकर उसे फहराने से परहेज क्यों कर रहे हैं, खासकर तब, जबकि मुसलमानों पर हिंदुत्व की जीत क्षितिज पर मंडरा रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि भागवत को कब बात खटक गई और किस वजह से उन्होंने पुणे में यह टिप्पणी की। आखिरकार, आरएसएस की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए साल भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत के कुछ हफ्तों बाद, और क्रिसमस से कुछ दिन पहले (जिसे मोदी सरकार ने 'सुशासन दिवस' घोषित कर रखा है, जो एक कार्यदिवस भी है) उनका यह कहना कि 'हमें साथ रहना चाहिए' दृ हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सभी को दृ यह कथन अनोखा और दिलचस्प दोनों है। कुछ हफ्ते पहले संभल मस्जिद के वास्तु के आधार पर इसके मूल स्वरूप को लेकर समुदायों के बीच हुई झड़प के बाद पुलिस की गोलीबारी में पांच लोगों की बेवजह मौत हो गई थी, लगता है इसके बाद से भागवत को अहसास हुआ है कि खुद को बेहतर हिंदू नेता सिद्ध करने वाली इस प्रतिस्पर्धात्मक राजनीति को जड़ पकड़ने से पहले ही खत्म कर देना सही होगा। शायद उन्होंने देख लिया है कि भारत के 20 करोड़ मुसलमान, जो कि आबादी का 14 प्रतिशत हैं, उन्हें भी बाकी लोगों की तरह शांति और समानता से यहीं बसना है, और देश के एक अन्य विभाजन के बारे में विचार भी सोच के दायरे से परे है। किसी और की तुलना में शायद उन्होंने करीब मंडरा रहे खतरों को पहचान लिया है। कदाचित उन्होंने अपने चारों ओर देखा और पाया कि कैसे दृ और क्यों दृ सीरिया, अफगानिस्तान और फिलिस्तीन जैसे इस्लामी राष्ट्र पिछले कुछ वर्षों में भरभरा कर ढह गए। भारत के मुसलमान कहां जाएं, यदि उनके आत्मसम्मान को कुछ लोग चोट पहुंचाने की कोशिश करें। बुलडोजर चलाने वाली गर्मपंथी सोच पर भी सवाल उठे हैं। आखिरकार, 2018 में भी भागवत ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा था कि 'मुसलमानों के बिना हिंदुत्व अधूरा है'। और पिछले साल, जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कभी मंदिर था और टीवी पत्रकार इस निर्णय के निहितार्थों को लेकर हल्ला मचाने लगे, तो भागवत ने शांति से कहा, 'हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग की तलाश क्यों करना'? निश्चित ही, यह बात कोई नहीं मानेगा कि आरएसएस प्रमुख और पीएम मोदी एक जैसे नहीं हैं या पिछले एक दशक में भाजपा के सत्ता में रहने से आरएसएस को बहुत लाभ नहीं हुआ है। बेशक, हुआ है। आरएसएस को पता है कि अगर मोदी नहीं होते, तो अयोध्या में राम मंदिर नहीं होता या दुनिया भर के 39 देशों में इसका विस्तार नहीं होता। आरएसएस प्रमुख के विचार इस बारे में स्पष्ट हैं कि सभी धर्मों के सभी भारतीय 'हिंदू' हैं, क्योंकि एक समय में उनके पूर्वज भी हिंदू थे। अक्तूबर माह की शुरुआत में विजयादशमी पर अपने संबोधन में भागवत ने स्पष्ट किया था कि उनके पास 'उदारवादी एवं प्रगतिशील विचार और सांस्कृतिक मार्क्सवाद' के लिए समय नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत से मदद की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि भगवान भी कमजोरों की परवाह नहीं करते३बांग्लादेश में जो हुआ, वह हिंदू समाज के लिए एक सबक होना चाहिए। कमजोरी एक अपराध है'। लेकिन भागवत का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई अन्य ढंग से दिलचस्प है। यह विश्वसनीय रूप से कहा जा सकता है कि संघ के कार्यकर्ता, जो अक्सर चुनावों में पलड़ा झुकाने में भूमिका रखते हुए भाजपा की हार को जीत में बदल देते हैं, उन्होंने 2024 के आम चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के लिए वैसा उत्साहपूर्वक प्रचार नहीं किया, जैसा कि वे इससे पहले करते आए हैं दृ संसद में पार्टी के बहुमत में कमी का एक कारण यह भी रहा। और बाद में आरएसएस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में अपना रुख बदला और पूरी ताकत झोंकने का फैसला किया। निश्चित रूप से, भागवत को अपने अनुकूल पाकर भाजपा को कहीं अधिक बल मिला है। गौरतलब है कि संघ प्रमुख की उक्त टिप्पणियां मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा निचली अदालतों को मंदिर–मस्जिद विवाद को लेकर कोई नया मुकदमा स्वीकार न करने या मस्जिदों के नीचे मंदिर होने का पता लगाने को सर्वेक्षण की मांग करने वाली मौजूदा याचिकाओं पर आदेश पारित न करने का निर्देश देने के कुछ दिनों के भीतर आई हैं। खन्ना ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट 1991 के पूजा स्थल अधिनियम पर फिर से विवेचना के लिए दायर याचिकाओं पर अलग से सुनवाई कर रहा है, जिसमें कहा गया है कि किसी पूजा स्थल की जो भी यथास्थिति 15 अगस्त, 1947 को थी, वही कायम रहेगी। हाल–फिलहाल, जस्टिस खन्ना ने इस तमाम कानूनी कहा–सुनी पर रोक लगा दी है कि क्या मस्जिदें कभी मंदिर हुआ करती थीं। ठीक इसी घड़ी, कम–से–कम भागवत भी जोश में आए अपने लोगों को ठंडा करने की कोशिश कर रहे हैं दृवे राम मंदिर तक ही संतुष्ट रहें, काशी या मथुरा को प्राप्त करने या संभल शाही मस्जिद या अजमेर शरीफ दरगाह के नीचे खुदाई करने की कोई जरूरत नहीं है। बहुत संभव है कि भागवत हिंदू और मुस्लिम समूहों के बीच हुई मध्यस्थता की अंदरूनी कहानी जानते हों, जिसके परिणामस्वरूप 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में राम जन्मभूमि के गर्भगृह वाली जगह सहित 2.77 एकड़ जमीन 'हिंदू पक्ष' को दे दी गई थी। भागवत शायद महीनों तक चले लेन–देन को जानते हों, मुसलमानों ने जो किया, उस पर हक क्यों छोड़ दिया और बदले में उनसे क्या–क्या वादा किया गया था। सवाल यह है कि क्या यह सब मोहन भागवत को साल का सबसे प्रमुख व्यक्ति बनाता है? एक अनौपचारिक जनमत सर्वे ही बता पाएगा।

वर्ष के अंत में वैकल्पिक पुरस्कार

आदित्य

हम हर साल के अंत में टिनसेल और अगले साल के बारे में अर्थहीन खुशियों के साथ समाप्त करते हैं। लेकिन इस बार शब्दों को कम नहीं करना चाहिए, निश्चित रूप से मिंस–पाई (उर्फ शुगरकोट) नहीं। विनम्रता से कुछ नहीं बदलता और हमें बदलाव की जरूरत है। उदाहरण के लिए, इस साल की धोखेबाजी हमें दशकों तक प्रभावित करेगी। हम जिन जानलेवा पागलों को चुनते हैं, और वे और अन्य दुष्ट लोग जो घातक अफवाहें फैलाते हैं, उसके परिणामस्वरूप लोकतंत्र का अंत होगा और एक और अंधकार युग की शुरुआत होगी। इसलिए यह इस साल का अंत नहीं है, बल्कि एक विकृत है। विकृत का मतलब है खतरनाक रूप से मुड़ना और यह दुनिया ऐसी ही है। लेकिन क्या होगा अगर, एक मनोरंजन मेले में एक ट्रिक मिरर की तरह, हम अपने फायदे के लिए वास्तविकता को विकृत कर सकें, अगर कुछ और नहीं तो हंसी के लिए? जब ट्रम्प के नए एंटीवैक्सिंग मंत्रालय द्वारा सभी जीवन रक्षक टीकों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, तो हंसी ही एकमात्र दवा होगी जो हमारे पास बचेगी। साल के अंत में लिमोलोड्स की लूट भी होती है, जिसके साथ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के छोटे–छोटे समूह एक–दूसरे को अपनी पीठ खुजलाने के लिए पुरस्कृत करते हैं। हमेशा इस बात से डरते हुए कि हम बाकी लोग उनकी लूट (लूट से भ्रमित न हों, आगे क्या होगा!) छीन सकते हैं, वे ठंडे दिमाग से दरवाजे बंद कर देते

हैं। इसलिए, उन्हें वह देकर क्यों न भ्रमित किया जाए जिसकी उन्हें लालसा है? पुरस्कार अधिक उपयुक्त हैं, न कि वे खुद को दिए जाने वाले अत्यधिक वार्षिक भुगतान (क्या मुझे मस्कट की गंध आ रही है या यह +56 बिलियन की गलत कमाई है?), या एक प्रतिशत लोगों के बीच पार्टी के पक्ष में दिए जाने वाले नकली पुरस्कार। इन गरीब छोटे अमीर लोगों ने दुनिया के संसाधनों पर कब्जा कर लिया होगा, लेकिन क्या उन्हें वह मिला है जिसके वे वास्तव में हकदार हैं? नहीं, लेकिन मैं वह कुतिया कर्म नहीं हूँ, दुख की बात है, इसलिए मैं न्यायोचित पुरस्कार नहीं दे सकता। अपने आप से पूछें, आप किसी ऐसे व्यक्ति को क्या देते हैं जिसके पास सब कुछ है? यहाँ छह पुरस्कार दिए गए हैं जो लालची मोटी बिल्लियों और निर्दयी तानाशाहों के लिए इतने सही हैं कि उन्होंने कभी उन पर विचार भी नहीं किया (लेकिन, भगवान, क्या वे इसके लायक नहीं हैं)रू साल का सबसे मोटा भालू आमतौर पर अलास्का के उस भालू को मिलता है जो हाइबरनेशन में जाने से पहले सबसे ज्यादा पाउंड वजन बढ़ा लेता है। उन्होंने सही कारणों से सभी सामन खा लिए हैं – जीवित रहने के लिए – लेकिन इस साल, यह एक दुबले–पतले बुरे इंसान को मिलना चाहिए। कई राजनेता सत्ता के लालच और लालच से भरे गंभीर दावेदार होंगे, फिर भी, हमारा सम्मान शरीर के आकार के लिए नहीं बल्कि मोटापे के लिए है, और बॉबी बियर को जाना चाहिए। एक खूबसूरत भालू को अवैध रूप से मारने के लिए इस नाम से पुकारा गया, जो किसी को भी नुकसान नहीं पहुँचा रहा था, दूसरी ओर, ट्रम्प के स्वास्थ्य जार बॉब कैनेडी जूनियर, जीवन रक्षक टीकों और महत्वपूर्ण दवाओं को गैरकानूनी घोषित करके पूरी मानवता को नुकसान पहुँचाएंगे, जिन्होंने हमारे ग्रह को हमारे लिए सुरक्षित बनाया है। यह सब इसलिए क्योंकि सत्ता और मानसिक क्षमता की उनकी इच्छा विपरीत रूप से आनुपातिक है। इस साल सबसे बदसूरत कुत्ते की प्रतियोगिता इतनी बदसूरत–वह–आश्चर्यजनक पेगी ने जीती, जो इसी नाम की हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर में डॉगपूल की भूमिका निभाने जा रही है, लेकिन वास्तव में इसे चश्में वाली आंखों वाले, सूखे चेहरे वाले निगेल फरेज द्वारा जीता जाना चाहिए था, जो कुत्तों को बदनाम करता है। उसका पग–बदसूरत चेहरा भले ही मायने न रखे लेकिन उसकी खुजली वाली आत्मा एक समस्या है। जब वह अप्रवासियों और मस्क–मनी में अपने नुकीले दांत नहीं जमा रहा होता, तो घातक गलत सूचना उसकी मुद्रा होती है। जब भी ट्रम्प सीटी बजाते हैं तो कायरतापूर्वक उनकी ओर दौड़ते हैं, फरेज कोई ब्रिटिश बुलडॉग नहीं है। विश्व मूंछ चौंपियनशिप एडॉल्फ हिटलर को बार–बार जीतनी चाहिए थी, न कि उन जमीनों को, जिन पर उसने अत्याचार किए थे, और इसलिए नरसंहार के लिए पुरस्कार भी मिलना चाहिए (हालांकि भारत 46,000 नागरिक मौतें और गिनती, इस खलनायक को मूर्खतापूर्ण मूंछों की भी जरूरत नहीं है। डार्विन पुरस्कार हर साल एक बेचारे मूर्ख को मिलता है जिसने सचमुच अपने पैर में गोली मार ली है (या इससे भी बेहतर किया है और ष्खुद को जीन पूल से हटा दिया हैष्)। यह पुरस्कार 2024 में ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर को मिलना चाहिए, जो एक भूस्खलन के बाद सत्ता में आए और फिर कुछ ही महीनों के छोटे से अंतराल में इसे गड़बड़ कर दिया। अब उनकी स्वीकृति रेटिंग ऋषि सुनक से भी कम है और वे भूरे भी नहीं हैं (जो कि, कमला को ध्यान में रखते हुए, पश्चिमी राजनीतिक स्पेक्ट्रम में सबसे कम लोकप्रिय रंग है) स्कॉटलैंड में कैबर टॉसिंग चौंपियनशिप आमतौर पर हृष्ट–पुष्ट, किल्ट पहने हुए स्कॉटिश दिग्गजों द्वारा जीती जाती है, लेकिन कहा जाता है कि छोटी कद–काठी वाली दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने भी इसमें अपना हाथ आजमाया था, तो हमारे अपने प्यारे नरेंद्र क्यों नहीं? इसमें लकड़ी को काफी दूर तक उछालना शामिल है, यह हमारे मर्दाना प्रधानमंत्री को अपनी ताकत दिखाने का मौका देगा, घर से दूर जहां बहुत कम नुकसान हो सकता है (हाइलैंड गायों को छोड़कर, जिन्हें, मुझे यकीन है, वे एक बाल भी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे), जबकि वे अपने बछड़ों की मोटाई दिखा रहे हैं – फिर से 56 इंच, है न? ईयर का पुरस्कार गुदा से दिया जाता है. .. उफ, हर साल... सबसे प्यारे बट वाले सेलिब्रिटी को। क्या होगा अगर हम इसे सबसे हॉट डेरियर के लिए नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे बुरे आदमी होने के लिए दें? यह सम्मान केवल उस व्यक्ति को दिया जा सकता है जिसने पृथ्वी को आपदा और विनाश की निंदा करने के लिए सबसे अधिक काम किया है। बहुत से लोग अपने ही क्षेत्र से अधिक जहर नहीं फैला सकते हैं, और इसलिए, हमें इसे दुनिया के सबसे बड़े फार्ट, डोनाल्ड ट्रम्प, या उनके दुर्गंधयुक्त गुर्गे, एलोन मस्क में से किसी एक को देना चाहिए। जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी दुष्टता से संक्रमित कर देते हैं। आप ही तय करें। अब, क्या आपको अच्छा नहीं लग रहा? अपने श्वरिष्ठोंश को वह उदारता देने के बाद, जिसके वे हकदार नहीं हैं, ठीक वैसे ही जैसे हर चुनाव में होता है? और क्यों नहीं? साल का यह त्यौहारी समय आखिरकार देने के बारे में है।

सपा करेगी 26 दिसंबर को मिल्कीपुर के चौराहा नंबर पांच पर धरना प्रदर्शनः अवधेश प्रसाद

अयोध्या। सपा कार्यकर्ता बाबा साहब अंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह द्वारा किये गये टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी ने कड़ी निंदा किया है।इसको लेकर सपा 26 दिसंबर को मिल्कीपुर के चौराहा नंबर पांच पर करेगी।यह जानकारी देते हुए सिविल लाइन स्थित होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा गृह मंत्री द्वारा दी गई टिप्पणी की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है।उन्होंने कहा कि इसके विरोध में सपा धरना प्रदर्शन भी करेगी। उन्होंने कहा कि अभी कुछ दिन पहले विरोध प्रकट किया गया था।पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने कहा था कि गृहमंत्री अमित शाह को जनता से माफी मांगने की मांग करेंगे।सासंद अवधेश प्रसाद ने कहा कि इसके पहले 21 दिसंबर को समाजवादी पार्टी पूरे प्रदेश में कर चुकी है। उन्होंने बताया कि उस समय प्रदर्शन मे यह मांग की गई कि अमित शाह माफी मांगे नहीं तो राष्ट्रपति उन्हें बर्खास्त करें।पत्रकार वार्ता मे उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम के सप्तसागर में निर्माणाधीन मकान पर बिना नोटिस बुलडोजर चलाये जाने को लेकर कहा बिना नोटिस के विकास प्राधिकरण ने एक गरीब का घर गिराया जाना काफी निंदनीय है।जिसको लेकर समाजवादी पार्टी आंदोलन करेंगी।रौजा गांव चीनी मिल में एक किसान की पिटाई को लेकर भी सासंद अवधेश प्रसाद नाराज हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग किया नही तो समाजवादी पार्टी सड़क पर उतरेगी।पारसनाथ यादव, आनंदसेन यादव, राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप,जयशंकर पांडे, सरोज यादव सहित अन्य सपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

दिव्यांग छात्राओं ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत कर किया लोगों का मनोरंजन

अयोध्या। मंगलवार को दिव्यांगजनों को मंच प्रदान करने, स्वावलंबन व आत्मविश्वास हेतु नई सुबह वाराणसी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग व जिला प्रशासन, अयोध्या तथा साकेत पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय दिव्य कला समागम के दूसरे दिन दिव्यांगजनों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद प्रतियोगिताओं व दिव्य कवि सम्मेलन में अपने प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से बचपन डे केयर सेंटर अयोध्या,लोक जागृति संस्थान अंबेडकर नगर, मनोजागृति स्पेशल स्कूल वाराणसी, वाणी विकलांग सेवा संस्थान, सोशल इनफॉर्मेटिव सोशल हार्मनी अकैडमी, जन चेतना संस्थान, ग्रामोदय विकास संस्थान, अखिल भारतीय विकलांग कल्याण समिति अयोध्या के दिव्यांगजनों एवं दिव्यांग

छात्राओं ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिया।दिव्यांग विद्यार्थियों, नई सुबह संस्था व का सु साकेत पीजी कालेज के छात्रों ने भगवान राम कृष्ण के भक्ति गीतों से लोगों को सराबोर किया तथा विभिन्न गानों पर एकल एवं सामूहिक नृत्य का प्रदर्शन कर लोगों से खूब प्रशंसा प्राप्त किया।100 मीटर दौड़ में बचपन डे केयर अयोध्या के रोहन यादव प्रथम जान्हवी व्दितीय व शिवा तृतीय स्थान पर विजयी रहे। दूसरे दौड़ प्रतियोगिता अखिल भारतीय विकलांग कल्याण समिति अयोध्या के पीयूष मिश्रा प्रथम, आदित्य गुप्ता व्दितीय एवं जितेंद्र सोनी तृतीय स्थान प्राप्त किया। मनोज जागृति संस्थान वाराणसी के दीपांशु प्रथम, दीपक व्दितीय व गुरु तृतीय स्थान पर विजय रहे। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में बचपन देखे के शिवा, मनोज जागृति संस्थान के अर्चना गौतम विजयी रहे।नीबू चम्मच दौड़ में अर्चना गौतम प्रथम नाम दीपांशु व्दितीय स्थान पर रहे। दिव्य कवि सम्मेलन में दिल्ली के चंद्रवीर, मथुरा के राम खिलाडी स्वदेशी, प्रदीप गंगवाल लखनऊ, अकबर ताज खंडवा मध्य प्रदेश, नागेश पाण्डेय लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश के प्रख्यात मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ जे के वर्मा ने प्रमुख रूप से काव्य पाठ किया।सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले दिव्यांगजन, खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता दिव्यांगजनों तथा दिव्य कवि को अनुपमा मौर्या उपनिदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण,जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी, नई सुबह संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ अजय तिवारी,वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार तिवारी,सुनीता तिवारी पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।उपनिदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अयोध्या श्रीमती अनुपम मौर्या ने दिव्य कला समागम में संस्थाओं एवं प्रकाशन केंद्रों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आजाद तिवारी, डॉ आदित्य तिवारी, डॉ अमित तिवारी, राजीव कुमार सिन्हा, गौरव चक्रवर्ती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।प्रो हिमांशु शेखर झा मुख्य राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उत्तर प्रदेश की विशेष उपस्थिति रही।प्रो हिमांशु कल समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।कार्यक्रम का संचालन साक्षी बुधौलिया तथा धन्यवाद संबोधन डॉ अजय तिवारी ने किया।

हिंदू वादी संगठन के लोगों ने कोतवाली का किया घेराव मंदिर में पढ़ा हनुमान चालीसा

शाही पुल के नीचे स्थित प्राचीन काली माता मंदिर खुलवाने की कर रहे मांग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के शाहीपुल के नीचे काली माता का मंदिर का दावा कर रहे हिंदूवादी संगठनों ने दीवार को तुड़वाकर मंदिर खुलवाने की मांग किया है।हिंदूवादी संगठनों ने दावा किया है कि पूर्व की सरकार में मंदिर को बंद कर दिया गया है क्योंकि नदी में पानी भर गया था उसे पुनः खुलवाया जाए। इस मामले को लेकर मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद व अन्य हिंदू वादी संगठन ने एक बैठक किया इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस और जिला प्रशासन ने महाराज अम्बुजानंद को थाने बुलाए जाने पर सैकड़ो की संख्या में समर्थक थाने पहुंचे तथा थाने के अंदर बने हनुमान मंदिर पर चालीसा का पाठ किया।और

सैकड़ों लोगो ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर मंदिर खोलने के लिए प्रशाशन से मांग किया है। वही इस मामले में अम्बुजानंद महाराज का कहना है कि हम प्रशासन से मांग करते हैं कि मंदिर खुलवा दें यदि अंदर काली माता का मंदिर नहीं मिलता है तो हम लोग पुनः उसे अपने पैसे से बंद करवा देंगे। आज से हम लोग इसके लिए हस्ताक्षर अभियान चला रहे है।वही इस मामले में सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह ने बताया कि इसकी जांच कराई जाएगी मामला पुरातत्व विभाग से जांच पड़ताल करने के उपरांत जो सही होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का एनकाउंटर सवालों के घेरे में पत्नी ने डीएम से मिलकर लगाई न्याय की गुहार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद पुलिस का एनकाउंटर सवालों के घेरे में आ गया है। बीते 20 दिसंबर को सिकरारा पुलिस ने सौरभ कुमार पाल नामक आरोपी को हाफ एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार करने का दावा किया था।पुलिस की गोली से आरोपी युवक घायल हुए था उसले बाए पैर में गोली लगी थी।आरोपी कके परिवार वालो ने मीडिया के सामने दावा।किया है कि पुलिस द्वारा सौरभ पाल को ले जाते समय का सीसीटीवी फुटेज यह सिद्ध करता है कि पूरी कहानी झूठी व फर्जी है। आरोपी के पत्नी ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उसके पति सौरभ पाल को 19 दिसंबर को दोपहर 1 बजे पुलिस ने कलापुर के पास से उठाया। पुलिस ने परिजनों को बताया कि पूछताछ के बाद छोड़ दिया जाएगा। दूसरे दिन पता चला कि सिकरारा पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस द्वारा आरोपी सौरभ को उठाए जाने का सीसीटीवी फुटेज भी उनके पास है, जिससे पुलिस के दावों की पोल खुल रही है।सौरभ की मां ने डीएम से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर इंसाफ दिलाने की मांग की। आपको बता दें कि इसी मामले में एसीजेएम चतुर्थ की अदालत ने भी पुलिस अधीक्षक को जांच टीम गठित करने का आदेश दिया है। मंगलवार को डीएम कार्यालय पहुंची सौरभ कुमार पाल की मां ने दावा किया कि उनका बेटा 19 दिसंबर को जरूरी सामान लेने के लिए अपने गांव शेख अशरफपुर से एचएफ डिलक्स बाइक से कलापुर बाजार गया था। वहां से खुटहन थाने के लगभग दर्जन भर पुलिसकर्मी उसे जबरदस्ती उठा ले गये। थाना खुटहन ले जाते समय की फुटेज इमामपुर बाजार समेत खुटहन के कई सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। मां ने दावा किया कि गांव के कुछ युवकों ने सौरभ को ले जाते समय खुटहन पुलिस को देखा था। पीड़ित मां ने कहा कि जब वो थाने पहुंची तो उसे बताया गया कि उसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया जायेगा। शाम तक नहीं छोड़े जाने के बाद दूसरे दिन फिर पीड़िता थाने पहुंची तो पुलिस ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। उसी दिन शाम को पता चला कि उनके बेटे का थाना सिकरारा की पुलिस ने भोर में ही चांदपुर नहर पुलिया

के किनारे ले जाकर एनकाउंटर कर दिया और बाएं पैर में गोली मार दी। आरोपी की मां का कहना है कि उसके बेटे को गिरफ्तार करने की कहानी फर्जी और झूठी है। उसने डीएम से अपील किया कि पुलिस से जुड़े अधिकारियों की बजाय एक स्वतंत्र कमेटी बनाकर घटना की जांच कराई जाए ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके। बताते चलें कि एसीजेएम चतुर्थ न्यायालय ने भी पुलिस एनकाउंटर पर सवालिया निशान लगाए थे। न्यायालय ने पाया था कि मुठभेड़ के दावे के बावजूद खाली कारतूस, बुलटप्रूफ जैकेट या ऐसा अन्य कोई साक्ष्य नहीं प्रस्तुत किया गया जिससे घटना संदेह के घेरे में है। अदालत ने जौनपुर पुलिस अधीक्षक को घटना के सम्बन्ध में जांच के लिए टीम गठित करने और तीन दिन के अंदर टीम गठित कर सूचना देने का आदेश दिया।

परिश्रम और स्थिरता से ही औद्योगिक जगत में पहचान : हाजी कमरुद्दीन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के बी.बी.ए. के छात्रों का औद्योगिक भ्रमण के तहत छात्रों ने हापुड़ स्थित सर्वकोन सिस्टम्स लिमिटेड के उत्पादन इकाई एवं नोएडा स्थित कंपनी का कॉर्पोरेट कार्यालय का मंगलवार को भ्रमण किया। कंपनी अनेक प्रकार की बिजली की उपकरण उत्पादन करती है। इनमे औद्योगिक एवं घरेलु स्टाबिलीजर, ट्रांसफार्मर, सोलर पैनल, यू.पी.एस आदि शामिल है। कंपनी के प्रबंध निदेशक हाजी कमरुद्दीन ने छात्रों को कंपनी के उत्पाद को उत्कृष्ठ बनाने की कई महत्वपूर्ण जानकारी दी कहा कि कड़ी परिश्रम एवं स्थिरता से ही औद्योगिक जगत में कम्पनियां अपनी पहचान कायम कर सकती है।उन्होंने छात्रों से आह्वान किया की कठिन परिस्थियों में भी अपने मेहनत और लगन से वे अपना कार्य कौशल का छाप छोड़ सकते है स उन्होंने प्रबंध छात्रों को कुशल उद्यामी बनने का भी सलाह दी। इससे पहले हापुड़ स्थित कंपनी की उत्पादन इकाई में कंपनी के निदेशक (उत्पाद), मोहम्मद सादिक, ने बिजली के उपकरण के उत्पादन और सेवाओं के निर्माण में व्यावसायिक संगठन और प्रबंधन अवधारणाओं को लागू करने के बारे में विस्तार से बताया स गुणवत्ता प्रमुख वैभव मिश्रा, ने उत्पादन का गुणवत्ता बढ़ाने में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन,जस्ट इन टाइम,सूची प्रबंधन,कैजेन,बेंचमार्किंग आदि तकनीक का प्रासंगिकता पर विशेष प्रकाश डाला स उत्पादन प्रमुख जगमोहन तोमर ने उत्पादन एवं विप्पनन के अनेक प्रक्रिया पर जानकारी साझा किया स कंपनी के मानव संसाधन प्रबंधक खुशबू जैदी एवं जन संपर्क अधिकारी अखलाक ने छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। व्यवसाय प्रबंध विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर मुराद अली ने कहा कि सिद्धांतिक शिक्षा को ऐसे इकाई की भ्रमण से प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ावा मिलता हैं स उन्होने प्रबंध निदेशक हाजी कमरुद्दीन को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया स इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. विशाल कुमार सिंह, समरीन ताबसूम एवं बी.बी.ए के छात्र उपस्थित रहे।

पेइंग गेस्ट हाउस के आड़ में श्रद्धालुओं से लूट खसोट जारी

पंजीकरण पेइंग गेस्ट हाउस का काम हो रहा होटल का ,मानक के मुताबिक ही दिया जा रहा प्रमाण पत्र – अश्वनी पाण्डेय ,दोषी पाई जाने पर होगी कार्रवाई – नगर आयुक्त,मानक पर खड़े न उतरने वाले पर होगी कार्यवाही – सीएफओ

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी में रामलला व अन्य मंदिरो मे दर्शन पूजन करने आने वाले श्रद्धालुओं से शायद कोई ऐसा हो जो उनसे लूट खसोट में न जुटा हो।बताते चले कि 22 जनवरी 2024 के बाद रामभक्तो व श्रद्धालुओ की संख्या मे काफी वृद्धि हुई है।इनके सुविधाओं के लिए प्रशासन ने शहर के लोगो को पेइंग गेस्ट हाउस खोलने के प्रेरित किया।जिससे पेइंग गेस्ट हाउस के संचालको की रोजी रोटी व श्रद्धालुओ को रहने खाने मे कोई कठिनाई न हो। विकास प्राधिकरण कार्यालय के मुताबिक रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से और अब तक राम नगरी में लगभग 1058 से अधिक पेइंग गेस्ट के साथ–साथ कई होटल खुले हुए हैं।मानक के मुताबिक पेइंग गेस्ट हाउस में केवल पांच ही कमरे आते हैं परंतु इस समय आधे से अधिक ऐसे पे गेस्ट हाउस है जहां पर पांच से अधिक कमरे दिखाई दे रहे हैं।जो की मानक के अनुरूप खड़े नहीं उतर रहे।यहां तक कि कुछ ऐसे भी लोग है जो कोई अपने तथा पुत्र के नाम भी पेइंग गेस्ट हाउस खोलकर बैठा हुआ है और यहां पर भोले भाले श्रद्धालुओं से मोटी रकम भी वसूल रहे है।इसका जीता जागता उदाहरण कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के पुलिस चौकी रानोपाली बाग विजैसी मे एक ही व्यक्ति के नाम दो पेइंग गेस्ट हाउस पांच पांच कमरों का खुला है।उक्त व्यक्ति ने एक तो अपने नाम तथा दूसरा अपने पुत्र के नाम पंजीकरण कराया है।यह तो एक ही उदाहरण है।जबकि देखा जाए शहर में इसी तरह से कई पेइंग गेस्ट हाउस खुले हुए हैं।इसके अलावा कुछ लोग रजिस्ट्रेशन तो पेइंग गेस्ट हाउस का कराए हुए हैं लेकिन उसका नाम रजिस्ट्रेशन के मुताबिक ना बोर्ड पर लिखकर होटल के नाम से लिखे हुए हैं।जो की अगर मानक की माने तो होटल के लिए 10,000 स्क्वायर फीट की जमीन होनी चाहिए,सामने पार्किंग होनी चाहिए, फायर विभाग से एनओसी होनी चाहिए,कुल मिलाकर कामर्शियल श्रेणी आता है लेकिन लेकिन इससे संबंधित मलिक पेइंग गेस्ट हाउस के नाम रजिस्ट्रेशन करा कर होटल के रूप में उपयोग करते

हुए दिखाई भी दे रहे हैं।कोतवाली नगर क्षेत्र के सिविल लाइन,रिकाबगंज,गुदरी बाजार,फतेहगंज, सुभाष नगर,दिल्ली दरवाजा,बेनीगंज,साहबगंज,देवकाली, अश्विनीपुरम कॉलोनी वजीरगंज व अयोध्या धाम मे शायद ही कोई ऐसा मोहल्ला बचा हो जहां पर पेइंग गेस्ट हाउस ना खुला हो।यहां तक के इन पेइंग गेस्ट हाउस में 5 कमरो मे से अधिक भी कमरे दिखाई दे रहे हैं।इसका खुलासा तब हुआ जब नगर निगम कर्मचारियों द्वारा कर भुगतान संबंधी के लिए निरीक्षण करने गए।यह बात तो तय है 22 जनवरी 2024 प्राण प्रतिष्ठा के बाद से स्थानीय लोगों द्वारा दूर दरार से आने वाले भोले भाले श्रद्धालुओं से लूट कसोट करने में नहीं चूक रहे हैं।चाहे होटल,पेइंग गेस्ट हाउस के स्वामी हो या फिर आटो चालक वाहन स्वामी। क्योंकि प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां पर प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु आ भी रहे हैं।इस संबंध में विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अश्वनी पांडे ने बताया कि पेइंग गेस्ट हाउस के लिए जितने आवेदन आते हैं उन्हें मानक के अनुसार प्रमाण पत्र दिया जाता है।उन्होंने बताया कि उनका काम पेइंग गेस्ट हाउस खोलने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान करना होता है बाकी नगर निगम व पर्यटन विभाग का होता है।मानक के मुताबिक पेइंग गेस्ट हाउस पर खड़े उतरने स्वामियों को छोड़कर बाकी मानक के विपरीत उतरने वाले इन गेस्ट हाउस के संचालक खिलाफ कार्यवाही करें।अब उनको तय करना होता है कि कौन सा पेइंग गेस्ट हाउस कमर्शियल सूची में आ रहा है कौन सा नहीं।उन्होंने बताया कि इस तरीके की दो शिकायतें विकास प्राधिकार को प्राप्त हुई है।वही नगर निगम के नगर आयुक्त संतोष शर्मा का मानना है कि जो भी पेइंग गेस्ट हाउस स्वामी मानक के मुताबिक खड़े नहीं उतरते हुए पाये जायेंगे तो उसको कमर्शियल सूची में रखते हुए उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया चेकिंग के दौरान कई पेइंग गेस्ट हाउस व होटल जो मानक के अनुरूप इस समय खड़े नहीं उतर रहे हैं।जिसमें से कहीं ऐसी पेइंग गेस्ट हाउस भी है।जो कमर्शियल की श्रेणी में आ रहे हैं,और एनओसी भी नहीं कराए हुए हैं।इस तरीके के कोई भी पेइंग गेस्ट हाउस या होटल आएंगे तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

एक संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा इस तरह के बयान बेहद अपमानजनक हैं : डॉ लाल बहादुर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बसपा जिलाध्यक्ष संग्राम भारती के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के कथित अपमान को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।कलक्ट्रेट में हजारों की संख्या में मौजूद बसपा कार्यकताओ ने जमीन पर बैठकर बाबा साहेब का चित्र हांथो में लेकर जमकर विरोध प्रदेर्शन दर्शाया और महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को ज्ञापन सौंपा। इस मामले में जानकारी देते हुए बसपा जिलाध्यक्ष संग्राम भारती ने कहा कि 17 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बारे में राज्यसभा में बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की है।यह टिप्पणियां न केवल भारत के

महानतम नेताओं में से एक अद्वितीय विरासत का अपमान है, बल्कि उन करोड़ों भारतीयों का भी घोर अपमान है जो उन्हें भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रणेता के रूप में पूजते हैं। इसी क्रम में डॉ लाल बहादुर सिद्धार्थ ने कहा कि एक संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा इस तरह के बयान बेहद अपमानजनक हैं। जो हमारे गणतंत्र के नींव को कमजोर करने का एक खतरनाक प्रयास है। डॉक्टर अंबेडकर समानता न्याय और हमारे संविधान में निहित लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रतीक हैं। उनके नाम को कलंकित करने का कोई भी प्रयास इन मूल्यों का अपमान है और हमारे राष्ट्र की सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा है। उक्त के संदर्भ में महामहिम राष्ट्रपति से आग्रह है, कि आप भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई इस प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी करने वाले अमित शाह के इस्तीफे और उनकी आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक माफी मांगने के लिए बाध्य करें, अन्यथा बसपा पार्टी जन आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

'आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की मनायी गयी जयंती 'कुलपति ने किसानों को किया सम्मानित

ब्यूरो सुलतानपुर

सुल्तानपुर। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 122 ही जयंती के उपलक्ष में नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के प्रसार निदेशालय की मीटिंग हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ बृजेश विजेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को प्रसार निदेशक डॉ बटुक सिंह ने पुष्प कुछ देकर स्वागत किया। डॉ सीताराम मिश्रा ने विस्तार पूर्वक पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि चौधरी चरण सिंह (23 दिसंबर 1902 – 29 मई 1987) वह भारत के किसान राजनेता एवं पाँचवें प्रधानमंत्री थे। उन्होंने यह पद 28

जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक संभाला। चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीयता और ग्रामीण परिवेश की मर्यादा में जिया। फरवरी 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गयी। इस मौके पर उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय के अनुष्ठाता प्रोफेसर संजय पाठक होम साइंस की अनुष्ठाता डॉ. साधना सिंह मुन्ना मत्स्य विभाग के अनुष्ठाता डॉ सी पी सिंह कृषि महाविद्यालय की अनुष्ठाता डॉ प्रतिभा सिंह, डॉ बीपी शाही डॉक्टर नवनीत कुमार मिश्रा, आदि लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला और कृषकों को कृषि तकनीक बारे में चर्चा की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉक्टर बृजेंद्र सिंह ने प्रगतिशील किसानों को अंग वस्त्र एवं प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया इसके अलावा कार्यक्रम में मौजूद सभी कृषकों को भी अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया कार्यक्रम का संचालन मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉक्टर सीताराम मिश्रा ने किया अंत में प्रसार निदेशक बटुक सिंह ने सभी आए हुए अतिथियों एवं किसानों का आभार प्रकट किया।

फांसी से लटकता मिला युवक का शव , मचा हड़कंप, पुलिस ने शव को भेजा पीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के कस्बा नासही में एक युवक ने सोमवार की रात को फांसी के फंदे से लटकर अपनी इह लीला को समाप्त कर दिया। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कस्बा निवासी मनोज सोनी (34) पुत्र स्व0 ओमप्रकाश सेठ मोहल्ला नासही , जफराबाद वो हर दिन की तरह सोमवार की रात को खाना खाकर अपने घर के अंदर अपने कमरे में सोने चला गया। मंगलवार की सुबह जब उसके कमरे का दरवाजा नही खुला तो उसकी माँ उषा देवी ने दरवाजे को पीट कर खुलवाना चाही लेकिन दरवाजा तब भी नही खुला तो उसकी माँ और बहन पूजा सोनी, भाई दुर्गेश सोनी संदेह बस शोर मचाते हुए मोहल्ले वालों को एकत्रित करके दरवाजा को तोड़वाया तो देखा कि पंखे के चूल्हे से उसका शरीर लटका हुआ था।दुर्गेश सोनी ने इसकी सूचना जफराबाद थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि बताया जा रहा है मनोज सोनी 2 दिन पहले अपनी पत्नी व तीन बच्चों को उसके मायके छोड़ कर आया था। लोगों के बीच तरह तरह की चर्चा है कि आखिरकार मनोज ने ऐसा क्यों किया।

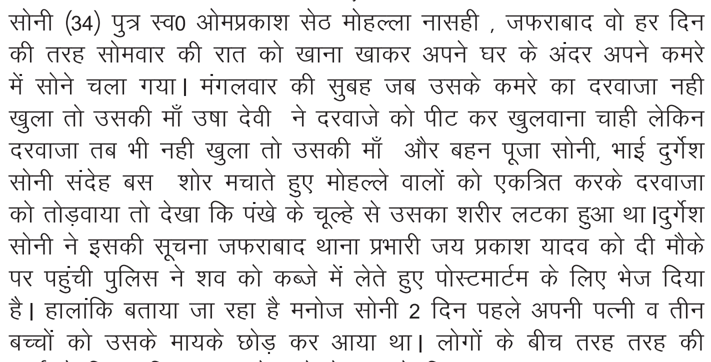

भाजपा अटल की 100 वीं जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाएंगी

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर । भाजपा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्मशती (100वीं जयंती) 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाएंगी।इस दौरान जिले भर में अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित जिला स्तरीय बैठक में अटल जन्मशती को लेकर विस्तृत रुपरेखा तैयार की गई।बैठक के पहले जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा समेत पार्टीजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के जयंती पर उनको याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को गरीबों और किसानों का सच्चा शुभचिंतक बताया।उन्होंने कहा पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह का देश के प्रति समर्पण और सेवा की भावना सभी को प्रेरित करती रहेगी।इसके बाद उन्होंने बताया कि पार्टी 25 दिसम्बर को अटल जी का जन्मदिन सुशासन दिवस के रूप में मनाएंगी।इस दौरान जनपद के 1900 से अधिक बूथों पर अटल स्मृति कार्यक्रम आयोजित होंगे।कार्यकर्ता अटल जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।उनकी कविताओं का वाचन होगा।ऐसे वरिष्ठ कार्यकर्ता जिन्होंने अटल जी के साथ

काम किया हो,को सम्मानित किया जाएगा।अटल जन्मशती पर साल भर कार्यक्रम आयोजित होंगे।मंडल स्तर पर प्रधानमंत्री सड़क योजना की सड़कों पर पार्टी के झंडे व तख्ती लेकर 1–2 किलोमीटर लम्बी सुशासन यात्रा की जाएंगी।इसके बाद चौपाल आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री बाजपेई जी व मोदी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा होगी।25 दिसम्बर को नगर स्थित बारात घर में अटल जी के जीवन और योगदान पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।सुशासन दिवस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण 25 दिसम्बर को प्रातः 8.30 बजे होंगा।जिसको सभी अपने –अपने घरों पर सुनेंगे।संचालन कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष सुनील वर्मा ने किया।भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि अटल जी की जन्मशती उनकी प्रसिद्ध कविता कदम मिलाकर चलना होगा पर केंद्रित की गई है।बैठक में पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य घनश्याम चौहान,जिला उपाध्यक्ष आनन्द द्विवेदी,ज्ञानप्रकाश जायसवाल, आलोक आर्या व अनीता पाण्डे, जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी व संदीप सिंह, जिला मंत्री आशीष सिंह रानू,मनोज मौर्या, राजेश सिंह, जगदीश चौरसिया, राजित राम, नरेंद्र सिंह, जिला सह मीडिया प्रभारी अशोक सिंह, जिला संयोजक आईटी सेल संजय उपाध्याय एवं मंडल व महामंत्री गण भूपेंद्र पाठक, नन्दलाल पाल,राम अभिलाष सिंह, संतोष सिंह, डॉ विनय प्रजापति प्रवीण मिश्रा, डॉ राम मूर्ति वर्मा,सूर्य नारायण पाण्डेय, अवधेश दूबे, संतोष सिंह,रोहित यादव, महावीर श्रीवास्तव, योगेंद्र सिंह,गौरव मौर्या, राजधर शुक्ला, सुभाष वर्मा,डॉ वीपी सिंह,आकाश जायसवाल, प्रदीप रावत,जय बहादुर सिंह,शोभनाथ यादव,अखिलेश सिंह, राजेश चतुर्वेदी,प्रवीण सिंह, शेर बहादुर सिंह,संजय सरोज, हरी

चलो गाँव की ओर सुशासन गोष्ठी का हुआ आयोजन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज विवेकानंद सभागार में सुशासन गाँव की ओर सुशासन गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि जनपद के पूर्व जिलाधिकारी व सेवा निवृत आईएएस विवेक वार्ष्णेय रहे। मुख्य अतिथि ने जिलाधिकारी की सराहना करते हुए कहा कहा कि हरदोई के अधिकारियों में बहुत अच्छा समन्वय है। जिलाधिकारी और उनकी टीम बहुत अच्छा कार्य कर रही है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि सुशासन सप्ताह के माध्यम से लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। सभी का लक्ष्य गरीब तबके तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। जीवन में किसी को निराश नहीं होना चाहिए। सभी अधिकारियों का दायित्व है कि सभी लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए पूरा प्रयास करें। लोगों को न्याय दिलाने के लिए कार्य करना चाहिए। दरवाजा जनता के लिए हमेशा खुला है। कार्य करते समय किसी अधिकारी को नकारात्मकता मन में नहीं लानी चाहिए। लोगों की पीड़ा को दूर करना ही सुशासन है। अंत्योदय ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड की योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए हैं। अब किसी भी अस्पताल में 5 लाख तक का इलाज कराया जा सकता है। जननी सुरक्षा योजना से संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़ी है। गंगा एक्सप्रेस वे व राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण से परिवहन व्यवस्था में सुधार हुआ है। हरदोई में रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है। गरीब परिवार भी अब भूख से नहीं मरता जो कि सुशासन का एक उदाहरण है। हम सभी को पात्रों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना चाहिए। यही सुशासन है। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने कहा कि सुशासन के सन्दर्भ हमारे इतिहास में मौजूद हैं। महात्मा गाँधी के रामराज्य व संविधान के प्रावधानो से सुशासन को समझा जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा किसी के आँसू पोंछने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने जिलाधिकारी के जनसुनवाई पर जोर देने की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी महोदय प्रभावित होने वाले लोगों से चर्चा के बाद ही निर्णय करते हैं। वह सर्वसम्मति पर विशेष जोर देते हैं। जीवन में अनुशासन होना बहुत जरुरी है। गोष्ठी में विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारियों व लाभार्थियों ने अपने विचार रखे। गंगा देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अभिराम सिंह ने मिशन अलंकार पर प्रकाश डाला और कहा कि विद्यालयों के लिए सुशासन का तात्पर्य सुअनुशासन से है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रवक्ता जयंती राजपूत ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई व चाणक्य को उद्धरित करते हुए सुशासन पर प्रकाश डाला। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री की कुछ पंक्तियों का भी जिक्र किया। कक्षा 11 की एक छात्रा उन्नत त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री के सुशासन प्रवाह को जारी रखा है। एफपीओ से जुड़े अभिषेक सिंह ने अटल बिहारी बाजपेई के साथ अपने संस्मरणों को ताजा करते हुए कहा सुशासन का जीवन में बहुत है। उन्होंने वर्तमान जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग के लिये धन्यवाद किया। उन्होंने खेती से जुड़ी अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। किसान धर्मेन्द्र ने गो आधारित खेती और प्रशासन के पूर्ण सहयोग की चर्चा की। भरावन के किसान अनुपम दीक्षित ने मोटे अनाजों व उनके उत्पादों के बारे में बताया। मुख्य अतिथि ने उनके द्वारा बनाये गए उत्पाद दो छात्राओं व स्वयं सहायता सामूह की दो महिलाओं को भेंट किये। उद्योग पति बाल कृष्ण जिंदल ने अपनी उद्योग यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उद्योग बंधु के माध्यम से जनपद स्तर पर उद्योगों की समस्याओं का तेजी से

समाधान हुआ है। उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है। उन्होंने वर्तमान जिलाधिकारी की त्वरित समस्या समाधान के लिए सराहना की। भूतपूर्व सैनिक सूबेदार वीरपाल सिंह ने कहा कि हरदोई जनपद में प्रशासन द्वारा सुशासन के भाव के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन को पूर्व सैनिकों को पूर्ण सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। सीएमओ रोहतास कुमार ने आयुष्मान कार्ड के बारे में बताया। पूर्व में कैंसर पीड़ित एक लाभार्थी ने बताया कि आयुष्मान के माध्यम से उनको अच्छे अस्पताल में इलाज मिला जिसकी वजह से वह अब स्वस्थ हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की एक लाभार्थी ने कहा कि पहले झोपड़ी में बन्दर चले जाते थे। अब उनको सुरक्षित छत मिली है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एक महिला ऊषा शर्मा ने अपनी पूरी यात्रा व सरकारी सहयोग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं। एक समूह की अध्यक्ष प्रिया सिंह ने भी अपने समूह के बारे में बताया। एक समूह से जुड़ी रूबी देवी ने भी समूह की आर्थिक यात्रा के बारे में बताया। व्यक्तिगत शौचालय की एक लाभार्थी ने बताया कि अब उनको खेत में नहीं जाना पड़ता। तालाब पट्टे के लाभार्थी छोटे लाल ने बताया कि मत्स्य पालन से उनको काफी आर्थिक लाभ मिला है। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का भी लाभ मिला है। विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने अपने विभाग की योजनाओं के बारे में बताया तथा पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा किये गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

चाचा विधायक हैं के बाद अब विधायक प्रतिनिधि हूं

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में बिजली कनेक्शन काटने पर एक उपभोक्ता और उसके परिवार के लोग जेई और बिजली कर्मियों पर भड़क गए। उनको धमकी दी। यहां तक गालीगलौज भी की। घटना के दौरान पुलिस भी मौजूद थी। लेकिन, वह मूकदर्शक बनी रही। घटना के बाद बिजली कर्मियों की टीम गांव से लौट गई। सोमवार को बिजली कर्मियों को धमकाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जेई की शिकायत पर पुलिस घटना की जांच कर रही है। बिजली उपकेंद्र अटौरा बुजुर्ग के जेई संजय भारती की ओर से गुरुबख्शगंज थाने में दी गई तहरीर में बताया कि रविवार को अनुज

कुमार, दिनेश कुमार, इम्तियाज अली, सुधीर कुमार, दुर्गेश, अमित कुमार, संदीप, राजकुमार समेत अन्य बिजली कर्मियों के साथ पूरे लाला गांव गए थे। हम लोग ओटीसीएस योजना के तहत राजस्व वसूली कर रहे थे। बिजली का बिल जमा न करने पर कनेक्शन भी काट रहे थे। इस दौरान गांव के एक उपभोक्ता का बिजली का बिल बकाया होने पर कनेक्शन काटा गया। इसी दौरान उपभोक्ता अपने बेटे व अन्य दो लोगों के साथ लाठी–डंडे लेकर आया। धमकाना शुरू कर दिया। गाली–गलौज करते हुए जानसे मारने की धमकी दी। कहा कि बिजली की लाइन नहीं जोड़ा तो जान से मार देंगे। इस घटना से गांव में ओटीएस योजना का कार्य बाधित हो गया है। बिजली कर्मियों में भी दहशत है। गुरुबख्शगंज थाने और अटौरा चौकी पुलिस प्रकरण को दबाने में जुटी रही। यही वजह रही कि जेई के तहरीर देने के बाद भी सोमवार की देर शाम तक प्रकरण में केस दर्ज नहीं किया गया। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि जेई ने घटना की तहरीर अटौरा चौकी में दी है। अटौरा चौकी में तो एफआईआर दर्ज नहीं होती। थाने पर तहरीर देंगे तो कार्रवाई की जाएगी। उधर, विवेचक अटौरा चौकी प्रभारी नितिन मलिक ने बताया कि प्रकरण जानकारी में आया है। जांच कराई जा रही है।

कार्यकर्ता की मौत मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दर्ज कराया बयान

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी विधानसभा के घेराव के दौरान एक कांग्रेस कार्यकर्ता की हुई मौत मामले में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को लखनऊ के हुसैनगंज थाने में पहुंचे और अपना बयान दर्ज करवाया। बीते मंगलवार को कांग्रेस ने यूपी विधानसभा के घेराव के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वन किया था। प्रदर्शन के दौरान गोरखपुर के एक युवा कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत हो गई थी। मामले में सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष ने बयान दर्ज करवाया। इस मौके पर उनके साथ सांसद किशोरी लाल शर्मा, सांसद राकेश राठौर, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, निवर्तमान प्रदेश महासचिव प्रभारी संगठन अनिल यादव भी कोतवाली पहुंचे। इसके पहले शुक्रवार को पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान वादी और प्रभात के चाचा मनीष पांडेय भी मौजूद रहे। पुलिस ने कांग्रेस कार्यालय में सील किए गए कमरा नंबर 30 को खोला और कर्मचारियों से पूछताछ की। दफ्तर के कर्मचारियों ने बताया कि प्रभात को परेशानी होने पर कमरे में गद्दे पर लिटाया गया था। पुलिस ने सभी के बयान दर्ज किए। मामले की जांच एसआईटी कर रही है। शुक्रवार को पुलिस ने मनीष से प्रभात का फोन अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस प्रभात के मोबाइल फोन का डाटा खंगाल रही है। मैसेज और चौट की मदद

से यह पता लगाया जा रहा है कि वह किसके कहने पर कांग्रेस दफ्तर गए थे। अभी तक की पड़ताल में पुलिस प्रदर्शन मे बुलाने वाले के बारे में पता नहीं लगा सकी है। प्रदर्शन में आए प्रभात बुधवार शाम को कांग्रेस दफ्तर में बेहोश मिले थे। सिविल अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। प्रभात के चाचा गोमतीनगर के विज्ञान खंड निवासी मनीष ने हुसैनगंज थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रभात एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने पीजी में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे।

एसबीआई लखनऊ की एक शाखा की सतर्कता ने डिजिटल धोखा–धड़ी से बचा दिये 90 लाख

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।एसबीआई लखनऊ की एक शाखा की सतर्कता ने ग्राहक को "डिजिटल अरेस्ट" की ठगी से बचाया भारतीय स्टेट बैंक के एक ग्राहक ने एसबीआई लखनऊ की एक शाखा से संपर्क किया और बताया कि वह अपने साथ चेक बुक नहीं लाये है, इसलिए लूज चेक जारी करके या डेबिट वाउचर का उपयोग करके आरटीजीएस द्वारा रु 10.00 लाख भेजना चाहते है। बातचीत के दौरान, वह लगातार वीडियो कॉल पर थे और तनाव मे दिख रहे थे। संदेह भापते हुए उन्हे शाखा प्रबन्धक के पास ले जाया गया। शाखा प्रबन्धक ने ग्राहक से बातचीत शुरू की और पैसा ट्रान्सफर करने का असली कारण जानने का प्रयास किया किन्तु ग्राहक कोई भी जानकारी नहीं दे रहा था और लगातार वीडियो कॉल पर था। कुछ देर बाद ग्राहक ने पुनः कहा कि वो अब रु 10 लाख नहीं बल्कि रु 40 लाख आरटीजीएस करेंगे। ग्राहक के संदिग्ध व्यवहार को देखते हुए शाखा प्रबन्धक ने बिना चेक के आरटीजीएस कर पाने में असमर्थता जाहिर की और उन्हे चेक बुक साथ लेकर आने को कहा। शीघ्र ही शाखा को ग्राहक के बेटे की कॉल आई कि मेरे पिता के सभी खाते फ्रीज कर दिये जाएँ क्योंकि उनके पिता को एक धोखेबाज व्यक्ति की कॉल आई थी, जिसने खुद को नई दिल्ली का डीसीपी बताया था। धोखेबाज ने बताया कि उनके मोबाइल नंबर का इस्तेमाल अवैध उद्देश्यों के लिए किया गया है और उनसे जांच को घुमाने के लिए अलग–अलग खातों में रु 90 लाख जमा करने को कहा है। इस तरह से शाखा स्टाफ ने अपनी सूझ बूझ, सतर्कता और सक्रिय दृष्टिकोण से ग्राहक को साइबर ठगी का शिकार होने से बचा लिया और डिजिटल धोखा–धड़ी द्वारा 90 लाख रुपये ठगने के प्रयास को विफल कर दिया।

रिक्शा चालक को भेजा 51 लाख का रिकवरी नोटिस निरस्त

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के श्रावस्ती में रिक्शा चालक को शिक्षक बताकर 51 लाख की रिकवरी भेजने के मामले में नया मोड़ आ गया है। अमर उजाला पर खबर छपने के बाद शिक्षा विभाग बैक फुट पर आ गया है। बीएसए ने तत्काल इसका संज्ञान लिया और नोटिस को निरस्त कर दिया। यानी विभाग ने माना कि उसकी गलती से नोटिस गया था। पीड़ित मनोहर लाल यादव ने कहा कि अधिकारियों ने तो हमारी जिंदगी बर्बाद करने का ही सोच लिया था। हम लोग काफी परेशान थे। खाना–पीना मुहाल हो गया था। लेकिन, अमर उजाला ने सच्चाई दिखाकर हमें बचा लिया। हमारी वसूली की नोटिस निरस्त कर दी गई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार ने रिक्शा चालक मनोहर लाल यादव निवासी गोडपुरवा को फर्जी शिक्षक बताकर इनके नाम नोटिस जारी किया था। 51 लाख 63 हजार 53 रुपए की वसूली की बात कही थी। अमर उजाला की खबर के बाद बीएसए ने नोटिस निरस्त कर दिया है। अब अंबेडकर नगर जिले के अकबरपुर तहसील के सीहमई कारीरात निवासी मुख्य आरोपी देवमणि पुत्र राम दुलारे के नाम दोबारा नोटिस जारी हुआ है। मामला भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोड़पुरवा का है। गांव निवासी मनोहर यादव दिल्ली में रहकर हाथ रिक्शा चलाता है। वह निरक्षर भी है। उसका परिवार गांव में रहता है। शुक्रवार को उसे डाकिए के जरिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से एक नोटिस मिला। 11 दिसंबर 2024 को जारी इस नोटिस में कहा गया कि आप सुरेंद्र प्रताप सिंह पुत्र मैन बहादुर सिंह निवासी सीहमई कारीरात, तहसील अकबरपुर, जनपद अंबेडकरनगर के छद्म नाम व पते का प्रयोग।

यूपी में गोली मारकर पैर तोड़ा जाता है

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मीडिया से बात करते हुए एक बार फिर एनकाउंटर पर सवाल खड़ा कर दिया। पीलीभीत में खालिस्तानी एनकाउंटर पर माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के राज में एनकाउंटर तो सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर दो प्रकार के होते है एक एनकाउंटर आमने–सामने होता है जिसमें पुलिस भी घायल होती है और जिसका एनकाउंटर होता है वो भी घायल होता है लेकिन इस सरकार में सिर्फ आरोपी का पैर गोली मारकर तोड़ दिया जाता है। यह काम न्यायालय को करना चाहिए चाहे फांसी दे चाहे उम्रकैद दे दे। उन्होंने कहा कि यूपी में फेक एनकाउंटर बहुत होते हैं। हम इसकी वास्तविकता जानेंगे। इतना जरूर कहेंगे कि एनकाउंटर दवा नहीं है। हमारे अधिकारों में जीने का मौलिक अधिकार शामिल है। अगर हम अपराधी हैं तो हमे पकड़कर कोर्ट के हवाले किया जाए। कोर्ट चाहे फांसी की सजा दे या आजीवन कारावास की सजा। इसमें सरकार का अधिकार नहीं है। वह पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे के आवास पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

ट्रॉमा सेंटर के गार्ड व आउटसोर्सिंग कर्मियों की दलाली होगी खत्म

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित केजीएमयू में मरीजों की दलाली रोकने के लिए सख्ती शुरू की जा रही है। ट्रॉमा सेंटर के गार्ड के साथ ही कैजुअल्टी विभाग में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मियों के मोबाइल फोन ड्यूटी के दौरान जमा रहेंगे। ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस प्रो. प्रेमराज ने बताया कि शिकायत मिली थी कि कुछ गार्ड, निजी अस्पतालों के दलाल के संपर्क में हैं। इन्हें ड्यूटी से हटाने के साथ ही अब नए गार्ड को फोन जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। केजीएमयू से पिछले दो माह में कुछ मामलों में मरीज को निजी अस्पताल ले जाने के मामले सामने आए हैं। इसे देखते हुए केजीएमयू प्रशासन ने सख्ती शुरू की है। ट्रॉमा सेंटर भवन के बाहर टिनशेड को ट्राएज एरिया के रूप में विकसित किया गया था। आने वाले मरीजों को पहले यहीं पर रखा जाता था।

दीमापुर में प्रयागराज महाकुंभ–2025 के रोड शो में शामिल हुए उत्तर प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 दयाशंकर मिश्र ``दयालु'' एवं ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा राज्य मंत्री, श्री सोमेन्द्र तोमर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

दीमापुर। योगी सरकार महाकुंभ–2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में, उत्तर प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ० दयाशंकर मिश्र श्दयालुश् एवं ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा राज्य मंत्री, श्री सोमेन्द्र तोमर ने दीमापुर में एक भव्य रोडशो का नेतृत्व किया। उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को भारत की विविधता में एकता का अद्वितीय उत्सव बताते हुए नागालैंड के माननीय राज्यपाल महामहिम श्री ला गणेशन एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री नेफियू रियो तथा सम्मानित जनता को प्रयागराज महाकुंभ–2025 में आने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि यह सरकार महाकुंभ में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ इसे ऐतिहासिक बनाने की दिशा में अहम कदम उठा रही है। रोडशो के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने कहा कि महाकुंभ, भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का स्पंदन है। 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत–समावेशी भारत' की दिव्य और जीवंत झांकी है। पत्रकार वार्ता के दौरान डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने कहा कि आप सबमें बहुत से ऐसे लोग होंगे, जिनके पास प्रयागराज कुम्भ–2019 का शदिव्य एवं भव्यश अनुभव होगा, भारतीय सांस्कृतिक गौरव के रूप में जिसकी अविस्मरणीय छवि विश्व पटल पर अंकित हुई थी। यही नहीं, मेले के कुशल प्रबन्धन को भी पूरी दुनिया ने मुक्त कंठ से सराहा था। उन्होंने कहा कि इस बार आयोजित हो रहा महाकुंभ पिछले कुंभ से और अधिक दिव्य एवं भव्य होगा। प्रयागराज महाकुंभ–2025 में 45 करोड़ तीर्थयात्रियों, साधु, संतों, कल्पवासियों एवं पर्यटकों के आने की संभावना है। इसके दृष्टिगत उत्तर प्रदेश सरकार ने समयबद्ध ढंग से समुचित प्रबंध कर लिया है। डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक माँ गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम तट पर प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर महाकुंभ 12 वर्ष के अंतराल पर एक बार फिर प्रयाग की पुण्य धरा पर आयोजित हो रहा है। यह स्वच्छ, स्वस्थ्य, सुरक्षित एवं हरित महाकुम्भ है– डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने महाकुंभ की तैयारी के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि यह स्वच्छ, स्वस्थ्य, सुरक्षित एवं डिजिटल महाकुंभ है। मेला को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ का संकल्प लिया गया है। इस अभियान के तहत मेला क्षेत्र में विभिन्न दोना–पत्तल विक्रेताओं की दुकानों का आवंटन, 400–स्कूल के प्राधानाचार्य के साथ स्वच्छता पर बैठक, 4 लाख बच्चों और प्रयागराज की जनसंख्या के 5 गुना नागरिकों तक स्वच्छ महाकुम्भ की पहल को पहुंचाया जा रहा है। साथ ही हर घर दस्तक अभियान के अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त का संदेश घर–घर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ– 2025 को हरियाली से भरा बनाने के लिए क्लीन के साथ–साथ ग्रीन कुंभ पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे प्रयागराज में करीब तीन लाख पौधों का रोपण भी किया गया है। मेले के खत्म हो जाने के बाद पौधों को संरक्षण खुद उत्तर प्रदेश सरकार करेगी। तीर्थयात्रियों, साधु, संतों और पर्यटकों के स्वास्थ्य देखभाल की भी है व्यवस्था डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने कहा कि इसे स्वस्थ महाकुंभ के दृष्टिकोण से भी तैयार किया जा रहा है जिसमें आने वाले तीर्थयात्रियों, साधु, संतों, कल्पवासियों और पर्यटकों के स्वास्थ्य देखभाल की भी व्यवस्था है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की बड़े पैमाने पर तैनात किया गया है। परेड ग्राउंड में 100 बेड का अस्पताल बनाया गया है। 20 बेड के दो और 8 बेड के छोटे अस्पताल भी तैयार किए गए हैं। मेला क्षेत्र और अरैल में 10–10 बेड के दो आईसीयू, आर्मी हॉस्पिटल की ओर से बनाए गए हैं। इन अस्पतालों में 24 घंटे डॉक्टरों की तैनाती रहेगी। इसके दृष्टिगत 291 एमबीबीएस व स्पेशलिस्ट, 90 आयुर्वेदिक और यूनानी विशेषज्ञ और 182 स्टॉफ नर्स की व्यवस्था है। यही नहीं अस्पतालों में पुरुष, महिला और बच्चा वार्ड अलग–अलग तैयार किए गए हैं। डिलीवरी रूम, इमरजेंसी वार्ड और डॉक्टर्स रूम भी रहेंगे।

डिजिटल महाकुंभ का भी अनुभव करेंगे श्रद्धालु

पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार दिव्य, भव्य एवं डिजिटल महाकुंभ के लिए प्रतिबद्ध है। महाकुंभ की वेबसाइट, ऐप, 11 भाषाओं में एआई चौट बॉट, लोगों एवं वाहनों के लिए क्यूआर आधारित पास, बहुभाषीय डिजिटल खोया–पाया केंद्र, स्वच्छता एवं टेंटों की आईसीटी निगरानी, भूमि और सुविधा आवंटन के लिए सॉफ्टवेयर, बहुभाषीय डिजिटल साइनेज वीएमडी, स्वचालित राशन आपूर्ति प्रणाली, ड्रोन आधारित निगरानी एवं आपदा प्रबंधन, 530 परियोजनाओं की निगरानी का लाइव सॉफ्टवेयर, इन्वेंटरी ट्रैकिंग सिस्टम और सभी स्थलों का गूगल मैप पर एकीकरण किया गया है।

पर्यटकों की सुविधा के लिए होगी स्मार्ट पार्किंग की व्यवस्था– डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु'

डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने कहा कि पर्यटकों को वहां पार्किंग की समस्या से न जूझना पड़े इसकी भी व्यवस्था है। इसके दृष्टिगत 101 स्मार्ट पार्किंग बनाए गए हैं, जिनमें प्रतिदिन पांच लाख वाहन पार्क किए जा सकेंगे। 1867.04 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला पार्किंग स्थल 2019 के 1103.29 हेक्टेयर के सापेक्ष 763.75 हेक्टेयर बड़ा है। इन पार्किंग स्थल की निगरानी इंट्रीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर के माध्यम से की जाएगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।